DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mob. 9415376545

B.A PART-II, Paper-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................. Lecture No. 22 Date 22/08/20

राजनीतिक दलों के उत्पत्ति के आधार

ब्राइस ने अपनी पुस्तक 'आधुनिक प्रजातंत्र' में लिखा है कि "राजनीतिक दल जनतंत्र से कहीं अधिक प्राचीन हैं किन्तु शासन व्यवस्था से मूल रूप से सम्बन्धित न होने के कारण ये संस्थायें राजनीतिक दल न थीं। आधुनिक समय के राजनीतिक दल वर्तमान युग की ही उपज हैं। और आधुनिक राजनीतिक दलों का विकास जनतंत्र और मताधिकार के साथ-साथ ही हुआ है। राजनीतिक दलों के उद्गम के सम्बन्ध में प्रमुख रूप से निम्न विचारों का प्रतिपादन किया जाता है-

(1) मानव स्वभाव का सिद्धान्त - मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर राजनीतिक दलों को मानव स्वभाव में निहित मूल प्रवृत्तियों पर आधारित कहा जाता है। कुछ लोग स्वभाव से ही रूढ़िवादी होते हैं और किसी प्रकार का परिवर्तन पसन्द नहीं करते और कुछ लोग शनैः-शनैः परिवर्तन चाहते हैं और कुछ लोग तुरन्त आमूल चूल परिवर्तन के पक्ष में होते हैं। इस स्वभाव भेद के आधार पर मनुष्य में विचारभेद पाया जाता है और इस प्रकार विचार भेद राजनीतिक दलों को जन्म देते हैं।

(2) आर्थिक हित और विचार - राजनीतिक दल आर्थिक भेद के भी परिणाम होते हैं। और वर्तमान समय के तो सभी राजनीतिक दल आर्थिक विचारों पर आधारित हैं। विचारक होल कॉम्ब ने ठीक ही कहा है कि "~~राजनीतिक~~ राष्ट्रीय दल क्षणिक आवेगों या अस्थायी आवश्यकताओं के आधार पर नहीं चल सकते, उन्हें स्थायी सामुदायिक हितों, विशेषतः आर्थिक हितों पर आधारित होना चाहिए।

PTO

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mob. 9415376545

B.A PART-II, Paper-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................. Date. 22/08/20

(3) वातावरण सम्बन्धी प्रभाव – सामान्यतः कहा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति धार्मिक संस्कारों के समान है। राजनीतिक संस्कार भी साथ लेकर ही उत्पन्न होता है। अपने इन राजनीतिक संस्कारों के आधार पर वह किसी विशेष राजनीतिक दल से सम्बद्ध होता है। अनेक बार एक व्यक्ति के पारिवारिक सदस्य और उनके मित्र भी उनके लिए राजनीतिक दल का मार्ग खोजते हैं। लेकिन राजनीतिक चेतना के विकास के साथ-साथ वातावरण सम्बन्धी प्रभाव कम होता जा रहा है।

(4) धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनायें – पाश्चात्य देशों के नागरिकों में धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनाएँ बहुत अधिक ~~हैं~~ बलवती न होने के कारण धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनाओं पर आधारित राजनीतिक दल नहीं पाये जाते हैं। किन्तु भारत और पूर्व के देशों में इस प्रकार के साम्प्रदायिक दल विद्यमान हैं। वस्तुतः ये दल संपूर्ण राज्य के हितों से सम्बन्धित नहीं होते। और इस प्रकार इन्हें विशुद्ध राजनीतिक दल नहीं कहा जा सकता। मानवस्वभाव तथा मूलभूत राजनीतिक और आर्थिक विचारों पर आधारित राजनीतिक दलों को ही स्वस्थ राजनीतिक दल कहा जा सकता है। क्योंकि राजनीतिक दल संघर्ष नहीं वरन् सहयोग की प्रवृत्ति पर आधारित होते हैं तथा प्रजातंत्र के लिए इस प्रकार के राजनीतिक दल ही उपयोगी हो सकते हैं।

समाप्त

Scanned with CamScanner